महामृत्युंजय मंत्र अर्थ सहित: शब्द-शब्द का अर्थ, जाप विधि और 108 बार जाप

26 नवंबर 2026 • पढ़ने में 4 मिनट मंत्र जाप शिव भक्ति

महामृत्युंजय मंत्र ऋग्वेद (मंडल 7, सूक्त 59, मंत्र 12) का मंत्र है, जिसमें त्र्यंबक (तीन नेत्रों वाले) शिव से मृत्यु के बंधन से मुक्ति की प्रार्थना है। नीचे **महामृत्युंजय मंत्र अर्थ सहित**: पूरा मंत्र, शब्द-शब्द का अर्थ और जाप की सरल विधि है। साथ में अपनी आवाज़ में मंत्र का छोटा वीडियो।

🙏 पूरी कथा YouTube पर देखिए: अंत तक देखें, 👍 लाइक करें और 💬 कमेंट में 'ॐ नमः शिवाय' लिखें। इससे यह कथा और भक्तों तक पहुँचती है।

YouTube पर पूरा वीडियो

सब्सक्राइब करें 🔔

▶️ महामृत्युंजय मंत्र, अपनी आवाज़ में: YouTube पर देखें

🔸 महामृत्युंजय मंत्र: पूरा पाठ (8 लिपियों में)

देवनागरी | English | বাংলা | ଓଡ଼ିଆ | తెలుగు | ಕನ್ನಡ | മലയാളം | தமிழ்

ॐ त्र्यम्बकं यजामहे सुगन्धिं पुष्टिवर्धनम् ।

उर्वारुकमिव बन्धनान्मृत्योर्मुक्षीय माऽमृतात् ॥

लिपि बदलने से शब्द नहीं बदलते: वही संस्कृत पाठ, आपकी लिपि में (अक्षर-से-अक्षर रूपांतरण)। तमिल में छोटे अंक संस्कृत ध्वनियाँ दिखाते हैं। 🔊 आवाज़ आपके फ़ोन/कंप्यूटर की अपनी मशीन-आवाज़ है; सही उच्चारण के लिए हमारे वीडियो सुनें।

🔊 सुनें (पंक्ति-दर-पंक्ति) | ■ रोकें | गति सामान्य

📿 डिजिटल माला: महामृत्युंजय मंत्र

0

माला पूरी: 0 • कुल जप: 0

जप 🙏

फिर से शुरू

शब्द-शब्द का अर्थ

- **त्र्यम्बकं**: तीन नेत्रों वाले (शिव) को
- **यजामहे**: हम पूजते हैं
- **सुगन्धिं**: सुगंध (शुभ गुणों) से युक्त
- **पुष्टिवर्धनम्**: पोषण और समृद्धि बढ़ाने वाले
- **उर्वारुकम् इव**: पके हुए खरबूजे/ककड़ी की तरह
- **बन्धनात्**: (बेल के) बंधन से
- **मृत्योः मुक्षीय**: मृत्यु से मुक्त करें
- **मा अमृतात्**: अमृत (मोक्ष) से नहीं

पूरा अर्थ

हम तीन नेत्रों वाले, सुगंधित और सबका पोषण बढ़ाने वाले शिव की पूजा करते हैं। जैसे पका हुआ खरबूजा अपनी बेल से सहज ही अलग हो जाता है, वैसे ही वे हमें मृत्यु के बंधन से मुक्त करें, पर अमृत (मोक्ष) से कभी अलग न करें।

जाप कैसे करें

- सुबह स्नान के बाद, पूर्व की ओर मुख करके, शांत मन से।
- परंपरा में रुद्राक्ष की माला से 108 बार (एक माला) जाप किया जाता है।
- उच्चारण धीरे और साफ़: पहले अर्थ समझें, फिर जपें। संख्या से अधिक नियम का महत्व है।
- परिवार में किसी के स्वास्थ्य के लिए प्रार्थना हो तो उसका नाम मन में रखकर जपें।



कैलाश पर शिव परिवार, 18वीं शताब्दी की चित्रकला (public domain, Wikimedia Commons)

🔸 अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

महामृत्युंजय मंत्र किस वेद में है?

ऋग्वेद, मंडल 7, सूक्त 59, मंत्र 12 में (यजुर्वेद में भी आता है)।

"उर्वारुकमिव" का क्या अर्थ है?

जैसे पका हुआ खरबूजा या ककड़ी बेल से अपने आप अलग हो जाती है, वैसे सहज मुक्ति।

कितनी बार जाप करें?

परंपरा में 108 बार (एक माला); रोज़ एक माला का नियम भी अच्छा है।

🔱 कथा, जाप और स्तोत्र अपनी आवाज़ में: शिव कैलाशा YouTube चैनल

रोज़ एक कथा या जाप WhatsApp पर: शिव कैलाशा WhatsApp चैनल से जुड़ें